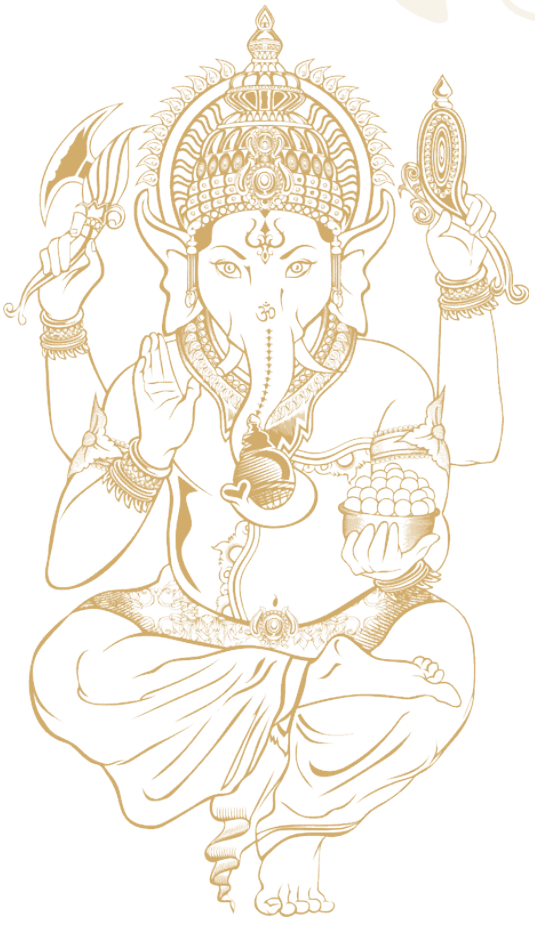

Shiva Ujjwala

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119044609

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/11/1993	जन्म तिथि	20-21/01/1994
मंगलवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 16:35:00	जन्म समय	04:05:00 घंटे
घटी 24:08:34	जन्म समय(घटी)	52:07:14 घटी
India	देश	India
Muzaffarnagar	स्थान	Herbertpur
29:28:00 उत्तर	अक्षांश	30:26:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:43:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:19:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:55:34	सूर्योदय	07:15:55
17:20:12	सूर्यास्त	17:44:33
23:46:34	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:42

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 4वर्ष 5मा 14दि	03:20:43	वृष	लग्न	वृश्चि	20:04:18	शुक्र 11वर्ष 11मा 24दि
गुरु	14:29:04	वृश्चि	सूर्य	मक	06:52:37	मंगल
16/05/2016	28:10:39	वृष	चंद्र	मेष	18:40:41	14/01/2022
16/05/2032	21:39:12	वृश्चि	मंगल	मक	00:36:46	14/01/2029
गुरु 04/07/2018	26:38:48	तुला	बुध	मक	17:56:55	मंगल 13/06/2022
शनि 14/01/2021	10:21:58	तुला	गुरु	तुला	18:38:25	राहु 01/07/2023
बुध 22/04/2023	03:02:22	वृश्चि	शुक्र	मक	07:47:57	गुरु 06/06/2024
केतु 28/03/2024	00:47:59	कुंभ	शनि	कुंभ	05:18:12	शनि 16/07/2025
शुक्र 27/11/2026	09:16:23	वृश्चि व	राहु	वृश्चि	07:23:33	बुध 13/07/2026
सूर्य 15/09/2027	09:16:23	वृष व	केतु	वृष	07:23:33	केतु 09/12/2026
चन्द्र 14/01/2029	26:05:49	धनु	हर्ष	धनु	28:58:45	शुक्र 08/02/2028
मंगल 21/12/2029	25:35:38	धनु	नेप	धनु	27:26:09	सूर्य 15/06/2028
राहु 16/05/2032	02:09:28	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	03:50:20	चन्द्र 14/01/2029

लग्न-चलित

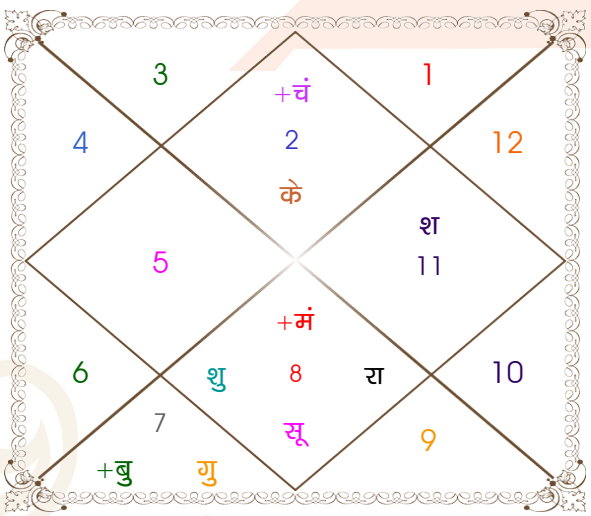

लग्न-चलित

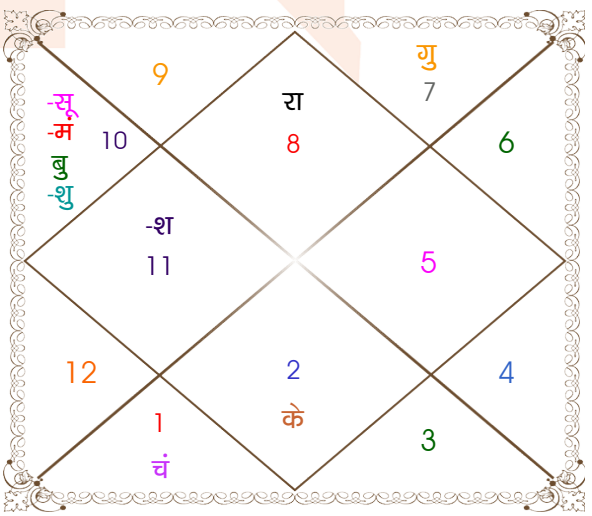

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकिौपअं का नक्षत्र मृगशिरा है।

ौपअं का वर्ग मृग है तथा न्ररूंसं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारौपअं और न्ररूंसं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ौपअं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ौपअं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहुौपअं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

न्ररूंसं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल न्र्रूंसं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैपअं तथा न्र्रूंसं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com